Sophia College (Autonomous)

Department of Hindi

Program: FYBA

Hindi (Semester I and II)

Course Title: Compulsory Hindi

Subject Code – SBAHIN101/ SBAHIN201

Course Objectives:

उद्देश्य :-

1. इस अनिवार्य भाषा के पत्र में विद्यार्थी को हिंदी के आधुनिक काव्य, कहानियों और व्याकरण के माध्यम से भाषा और साहित्य का संस्कार देना।
2. हिंदी कविताओं में मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद , निराला , महादेवी , सुभद्राकुमारी चौहान, नागार्जुन , बच्चन , नीरज तक और फिर शमशेर बहादुर सिंह , केदार नाथ अग्रवाल , धूमिल और केदार नाथ सिंह आदि के जरिए विदयार्थी को हिंदी की काव्य परंपरा और उसके विराट सौंदर्य से जोड़ना |
3 कहानी की दो पुस्तकों के माध्यम से प्रेमचंद से लेकर अमरकान्त तक और उषा प्रियंवदा, मन्नू भंडारी, कृष्णा सोबती और रांगेय राघव से लेकर ओम प्रकाश वाल्मीकि तक की कहानियों के ज़रिए विद्यार्थी को भाषा संस्कार के संग जीवन और साहित्य का संस्कार देना कहानी और कविताएँ अपने समय और समाज का दस्तावेज होती हैं, इस सत्य से भी विद्यार्थी को अवगत कराना।
4. व्याकरण के अलग अलग विषयों का अभ्यास कराना ताकि भाषागत अशुद्धियां दूर हो सके और हमारे विद्यार्थी शुद्ध लेखन, वाचन कर सकें।

Course Outcomes:

परिणाम :-

1.कविताओं के वाचन और व्याख्या के उपरांत विद्यार्थी न केवल हिंदी के बड़े कवियों से परिचित हो जाएंगे वरन जीवन के विभिन्न दृष्टिकोणों, अनुभवों, विचारबिंदुओं, छवियों, संवेदनाओं को महसूस करने में भी सक्षम हो जायेंगे।
2. प्रेमचंद से लेकर ओमप्रकाश वाल्मीकि तक के अनेको कथाकारों की कथाओं में इब कर विद्यार्थी अनेक जीवन समस्याओं , मानवीय स्वप्नों , त्रासदियों , दृष्टिबिन्दुओं को समझ अपनी चेतना का विस्तार करेंगे और भाषा प्रयोग में भी सहज ही कुशल हो जाएंगे।
3. संज्ञा , सर्वनाम किया , विशेषण और लिंग , वचन , मुहावरों , लोकोक्तियों , पर्याय और विलोम के संज्ञान से भाषा की परिपूर्णता , परिशुद्धता और कौशल की तरफ अग्रसर होंगे।

Sophia College (Autonomous)

Program: FYBA HINDI ANCILLARY

HINDI (Semester I AND II)

Course Title: HINDI ANCILLARY

Subject Code – SBAHIL101/ SBAHIL201

Course Objectives:

उद्देश्य :-:-

1. प्रतिनिधि दस कहानियों में हिंदी के अमर कथाकारों की अमर कहानियों के माध्यम से विद्यार्थियों को मानवीय संवेदना की गहराइयों में उतारना और जीवन को भी उसी संवेदना से पढ़ने का संस्कार देना।

2. उपेन्द्रनाथ अश्क, यशपाल, भुवनेश्वर, कमलेश्वर, स्वयंप्रकाश, उदयप्रकाश जैसे कथाकारों की कहानी-कला का साक्षात्कार करवाना।

3. 'गद्य विविधा ' में कहानी के अतिरिक्त अन्य विधाओं जैसे संस्मरण रेखचित्र, एकांकी, रिपोर्ताज, जीवनी आदि का परिचय और अनुभव श्रेष्ठ कृतियों के माध्यम से कराना।

4. 'पचपन खंभे लाल दीवारें ' जैसे आधुनिक उपन्यास के माध्यम से आधुनिक स्त्री के अन्तः द्वंद्वों के साथ-साथ भारतीय समाज की संकीर्णताओं और असम्वेदनाओं का भी साक्षात्कार करवाना।

Course Outcomes:

परिणाम:-

1.'दस प्रतिनिधि कहानियों की कहानियों को पढ़ने के बाद विद्यार्थी, गाँव और कस्बे के मूल्यबोध गुरबत और इज्जत की रस्साकशी , मृत्यु के बाद की त्रासदी आदि से जुड़ी अन्तर्दृष्टियाँ पा जाएँगे।

2 वे कहानी , संस्मरण , रेखचित्र , एकांकी , रिपोर्ताज , जीवनी और उपन्यास जैसी विधाओं का प्रथम हस्त अनुभव पा लेने से उनके अंतर को पहचान लेंगे।

3. कुछ अविस्मरणीय छवियाँ, कुछ अविस्मरणीय चरित्र और भाषा का साहित्यिक संस्कार उनकी संपत्ति होगा।

Sophia College (Autonomous)

Program: SYBA

HINDI (Semester III & IV)

Course Title: आधुनिक हिंदी साहित्य Paper II

Subject Code – SBAHIL301/ SBAHIL 401

Course Objectives:

उद्देश्य :-

1. इस पत्र के पहले खंड में विद्यार्थी को मध्यकाल से लेकर आधुनिकतम हिंदी कवियों की कविताओं के ज़रिए हिंदी काव्य से अंतरंग साक्षात्कार करवाना।

2. मध्यकालीन भक्ति और रीति की काव्यधाराओं को कबीर, तुलसी , बिहारी आदि के काव्य के माध्यम से स्पष्ट करना तथा आधुनिकता बोध को दिनकर , त्रिलोचन , केदारनाथ सिंह , ज्ञानेंद्रपति , उदयप्रकाश तथा कुंवर नारायण के काव्य की झलक से स्पष्ट करना।

3. इस पत्र के दूसरे प्रखंड में शंकर शेष के नाटक ' एक और द्रोणाचार्य'के माध्यम से शिक्षा के संदर्भ में टूटते, बिखरते आदर्शों के मूल कारणों को समझाना।

4. ममता कालिया के लघु उपन्यास 'दौड़' के माध्यम से 1990 के बाद के सामाजिक और मूल्य मूल्यगत परिवर्तनों की व्याख्या करना|

Course Outcomes:

परिणाम:-

1. मध्यकालीन काव्य एवं आधुनिक कवियों की कविताओं को पढ़कर विद्यार्थी को हिंदी काव्य परम्परा का एक विहंगम दृश्य दिखलाई देगा।

2. इन कवियों के विषयों को समझ वे मध्यकालीन और आधुनिक चित्तवृत्तियों को उनके विकास को मूर्त रूप में अनुभव कर पाएंगे।

3. शंकर शेष के नाटक के माध्यम से वे जीवन के कटु यथार्थ से परिचित होंगे और एक संवेदनशील व्यक्ति के नैतिक संघर्ष का साक्षात्कार कर पाएंगे।

4. ' दौड़ ' में आज के सफलता के प्रतिमानों पर विद्यार्थी ज़रूर सोचेंगे कि दौड़ में क्या महत्वपूर्ण हाथ से फिसल गया है।

Sophia College (Autonomous)

Program: SYBA

HINDI (Semester III/IV)

Course Title: प्रयोजनमूलक हिंदी Paper III

Subject Code – SBAHIL302/ SBAHIL402

Course Objectives:

उद्देश्य :- :-

1. प्रयोजनमूलक हिंदी की अवधारणा को एक और सामान्य बोलचाल की और दूसरी ओर साहित्यिक हिंदी में अलगाना, ताकि हिंदी के अन्य विशिष्ट प्रयोग (मीडिया , बैंक , रेलवे प्रशासन , कानून , चिकित्सा , तकनीक , विज्ञान आदि) स्पष्ट हो सकें।

2. इन क्षेत्रों की विशिष्ट शब्दावली का भी विद्यार्थी को संज्ञान कराना।

3. भाषा के अनुवाद के अलग रूपों का परिचय देना और अनुवाद की ओर विद्यार्थी को अग्रसर करना।

4. विभिन्न जनसंचार माध्यमों के उद्भव और विकास का परिचय देते हुए इनके लिए लेखन का अभ्यास करवाना।

Course Outcomes:

परिणाम:-

1. प्रयोजनमूलक हिंदी के इस पत्र को पढ़ने के उपरांत विद्यार्थी हिंदी से जुड़े रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों के प्रति सचेत हो जाएंगे और उस दिशा में कदम बढ़ा सकेंगे।

2. विज्ञापन और अनुवाद के संसार की अपार सम्भावनाओं को आजमा सकेंगे।

3. एक ओर पत्रकारिता तो दूसरी ओर मीडिया लेखन या वाचन की ओर विद्यार्थी जाने की सोच पाएँगे, क्योंकि उनके पास इन विषयों की मूलभूत जानकारी, प्रवृत्ति और मूलभूत दक्षता भी होगी।

Sophia College (Autonomous)

Program: TYBA

HINDI (Semester V/VI)

Course Title: हिन्दी साहित्य का इतिहास **Paper** IV

Subject Code – SBAHIL501/ SBAHIL601

Course Objectives:

उद्देश्य:-

1. 8 वीं सदी से आजतक हिंदी साहित्य के इतिहास का एक विहंगम दृश्य विद्यार्थी के सम्मुख प्रस्तुत करना।

2. आदिकाल, मध्यकाल एवम् आधुनिक काल की सामाजिक - सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के संदर्भ में तत्कालीन साहित्य का खुलासा करना।

3. सिद्ध, नाथ , जैन एवं वीरगाथाओं का परिचय , भक्तिकालीन एवं रीतिकालीन साहित्य का परिचय तथा आधुनिक काल के विभिन्न काव्यान्दोलनों के परिचय के अतिरिक्त प्रमुख गद्य विधाओं जैसे , उपन्यास , कहानी , नाटक और निबंध की विकास यात्रा को स्पष्ट करना।

Course Outcomes:

परिणाम :-

1. हिंदी साहित्य की दीर्घ परंपरा को विद्यार्थी अलग-अलग कालों में बांट कर हृदयंगम कर पाएँगे।

2. वे विभिन्न कालों के साहित्य की मुख्य प्रवित्तियों के अंतर को समझ पाएँगे , अतः चित्तवृत्तियों के विकास को भी समझ पाएँगे। (उपदेश , राजाओं की स्तुति , भक्ति , श्रृंगार एवम अलंकारिकता , काव्य शिक्षण , राष्ट्रीयता , समाज सुधार , व्यक्तिपरकता की अभिव्यक्ति , अवचेतन और मनोग्रंथियों के साथ लिप्त दारुण सामाजिक यथार्थ इत्यादि)

3. वे अनेक साहित्यकारों और उनकी कृतियों (कालक्रम में) से भी अवगत होंगे।

4. गद्य और काव्य विधाओं के विकास से परिचित होंगे।

Sophia College (Autonomous)

HINDI (Semester V/VI)

Course Title: स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य **Paper- V**

Subject Code – SBAHIL502/ SBAHIL602

Course Objectives:

उद्देश्य:-

1. इस पत्र का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को स्वतंत्रता के बाद के आधुनिक हिंदी साहित्य (गद्य एवं पद्य) का आस्वाद और संस्पर्श देना है ।

2. इसमें संस्मरण/ रेखाचित्र जैसी विधाओं का सम्पूर्ण परिचय भक्तिन, रज़िया, कमला, ऋषिकेश मुखर्जी के साथ ढाई दिन आदि कृतियों के माध्यम से कराना ।

3. 'आधे - अधूरे ' जैसे समकालीन चेतना वाले नाटक को विद्यार्थियों के नाट्य - संस्कार और जीवन यथार्थबोध का अंग बनाना ।

4. 'गीतपुंज ' के गीतों के माध्यम से गीत जैसी भावप्रवण एवं संवेदनात्मक विधा का संज्ञान कराना ।

5. ' निबंध - मंजूषा ' में विभिन्न निबंधकारों (आचार्य शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, दिनकर, वासुदेवशरण अग्रवाल , इंद्रनाथ मदान , हरिशंकर परसाई आदि) के निबंधों के माध्यम से निबंधों की विभिन्न शैलियों और गंभीर विषयों का प्रतिपादन कराना ।

Course Outcomes:

परिणाम:-

1. संस्मरणों को पढ़ चुकने के बाद विद्यार्थी मनुष्य मन की जटिलता, आन्तरिक संसार, और दूसरे के मन पर उसके प्रतिबिम्ब को समझ कर मनुष्य को बेहतर तरीके से समझने का साहित्यिक संस्कार ग्रहण करेंगे ।

2. आधे-अधूरे में चित्रित पारिवारिक विघटन और सामाजिक बदलावों को न केवल मूर्त होता देखेंगे, वरन इनके मूल में निहित अस्तित्वपरक, आर्थिक, मानवीय स्थितिगत कारणों पर भी विचार करने में सक्षम होंगे ।

3. गीतों के गेय रोमानीपन में जीवन के मर्म और असंगतियों का आकलन कर सकेंगे ।

4. विभिन्न निबंधों के पठन के बाद मनोविज्ञान, संस्कृति, राष्ट्र, राजनीति की विसंगतियों और सभ्यता से जुड़े अनेक विषयों और अंतरालों को बखूबी समझ सकेंगे ।

Program: TYBA

Sophia College (Autonomous)

HINDI (Semester V/VI)

Course Title: हिंदी और सूचना प्रौद्योगिकी **Paper-VI**

Subject Code – SBAHIL503/– SBAHIL603

Course Objectives:

उद्देश्य:-

1. विद्यार्थी को सूचना प्रौद्योगिकी जैसे अधुनातन विषय के अंतर्गत हिंदी में कम्प्यूटर पर कामकाज में सक्षम बनाना।

2. गूगल अनुवाद, अंतर्जाल और हिंदी के परिचय के अलावा रोज़गार एवम् संचार माध्यमों की दिशाओं का परिचय देना।

3. सोशल मीडिया के विभिन्न मंचों (फेसबुक , वट्सऐप , ट्विटर , इंस्टाग्राम , ब्लॉगिंग) में हिंदी प्रयोग अवगत करना।

4. सोशल मीडिया और उसके इस्तेमाल में कानून से परिचित करना।

Course Outcomes:

परिणाम

1. इस पेपर को पढ़ने पर विद्यार्थी सूचना प्रौद्योगिकी जैसे विषय के विभिन्न आयामों की व्यवहारिक और सैद्धांतिक समझ पा जाएँगे।
2. कम्प्यूटर में कामकाज का संज्ञान पा कर रोज़गार की दुनिया में कदम रखने के लिए ज्यादा सक्षम महसूस करेंगे।

3. उनके सम्मुख हिंदी और भारतीय भाषाओं को लेकर शिक्षा, बाजार , अभिव्यक्ति , पत्रकारिता , मनोरंजन की अपार सम्भावनाएँ उजागर होंगी।

4. सोशल मीडिया के व्यवहारिक प्रयोग के अलावा उसके अच्छे - बुरे प्रभावों के प्रति भी सचेतन हो सकेंगे।

Program: TYBA

HINDI (Semester V/VI)

Sophia College (Autonomous)

Course Title: साहित्य, समीक्षा, छंद एवं अलंकार **Paper VII**

Subject Code – SBAHIL504 \SBAHIL604

Course Objectives:

उद्देश्य :-

1. इस प्रपत्र द्वारा भारतीय काव्यशास्त्र की मूल संकल्पनाओं काव्य, काव्य हेतु, काव्यप्रयोजन , रस , शब्द शक्तियां, छंद एवं अलंकार से विद्यार्थी को संपूर्णतः परिचित कराना।

2. भारतीय काव्य रूपों अर्थात महाकाव्य, खण्डकाव्य, गीति काव्य, ग़ज़ल एवं मुक्तक आदि का संज्ञान कराना।

3. गद्य विधाओं जैसे नाटक, उपन्यास , कहानी , निबंध आदि के तत्वों एवं स्वरूप का विवेचन कराना।

4. भारतीय काव्यशास्त्र के अंतर्गत रस सिद्धांत के परिचय के अलावा कुछ छंदों और अलंकारों का भी संज्ञान विद्यार्थी को कराना।

Course Outcomes:

परिणाम

1. इस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी साहित्य और काव्य के सिद्धांत पक्ष (मुख्यतः भारतीय दृष्टि) को समझने में सक्षम हो जाएँगे।

2. साहित्य की जीवन के लिए सार्थकता को समझेंगे और नवरसों को साहित्य के अलावा तमाम कलाओं में भी पहचान सकेंगे।

3. साहित्य आस्वाद से आगे वे साहित्य रूपों की तात्विक संरचना को समझ जाएँगे।

4. छंद और अलंकारों का ज्ञान, साहित्य शास्त्र के बीजवपण के अलावा साहित्य रचना की प्रेरणा भी विद्यार्थी अपने जीवन में जगा पायेगा।

5. विद्यार्थी साहित्य के कला-पक्ष और भाव-पक्ष के अंतर और द्वंद्वात्मक एकता को समझ जाएंगे।

Program: TYBA

Sophia College (Autonomous)

HINDI (Semester V/VI)

Course Title: भाषा-विज्ञान : हिंदी भाषा एवं हिंदी व्याकरण **Paper VIII**

Subject Code – SBAHIL505/ SBAHIL605

Course Objectives:

उद्देश्य :-

1. भाषा जैसी बड़ी चीज के विज्ञान एवं सामान्य नियमों की पहचान कराना।

2. भाषा की विशेषताओं, परिवर्तनों के अलावा भाषा के बोली भाषा, राजभाषा संपर्क और राष्ट्रभाषा जैसे रूपों के अंतर को स्पष्ट कराना।

3. ध्वनिविज्ञान से लेकर अर्थविज्ञान तक भाषा विज्ञान की अनेक शाखाओं की संकल्पना का परिचय देना।

4. व्याकरण के तीनों संस्तरों अर्थात, वर्ण - विचार, शब्द - भेद एवं रूपांतर तथा वाक्यविचार का सम्पूर्ण संज्ञान कराना।

5. हिंदी भाषा की विकास की कहानी कहते हुए आर्य भाषाओं की दीर्घ परंपरा का भी आकलन कराना।

6. हिंदी की प्रमुख बोलियों और प्रमुख रूप (उर्दू, दक्खिनी, हिंदुस्तानी आदि) के परिचय के अलावा देवनागरी लिपि और हिंदी के शब्द समूह के विभिन्न स्रोतों का भी संज्ञान कराना।

Course Outcomes:

परिणाम

1. इस पत्र को पढ़ने के बाद विद्यार्थी भाषाविज्ञान जैसे नवीन शास्त्र की मूल संकल्पनाओं को जान जाएँगे।

2. बोली, भाषा, राज और राष्ट्र भाषा के अंतर को सूक्ष्मता से पहचान लेंगे।

3. व्याकरण के तीनों स्तरों से जुड़े विषयों एवं संकल्पनाओं में दक्ष हो जाएंगे।

4. भारतीय आर्य भाषाओं की दीर्घ परंपरा में हिंदी के उद्भव और विकास को समझ लेंगे एवं हिंदी से जुड़े अन्य विषयों (शब्द समूह और लिपि आदि) को भी हृदयंगम कर पाएँगे।

Sophia College (Autonomous)

Program: TYBA

HINDI (Semester V/VI)

Course Title: आधुनिक हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि **Paper IX**

Subject Code – SBAHIL506/ SBAHIL606

Course Objectives:

उद्देश्य :-

1. आधुनिक हिंदी साहित्य के मूल में प्रवाहमान विचार की विभिन्न सरणियों का परिचय एवं निदर्शन विद्यार्थी को कराना।

2. विद्यार्थी को उन्नीसवीं सदी के भारतीय नवजागरण के विभिन्न आंदोलनों अर्थात ब्रह्म समाज , आर्य समाज , प्रार्थना समाज थियोसोफीकल सोसायटी, सत्यशोधक समाज आदि का पूर्ण परिचय प्रदान कराना।

3. गांधीवाद एवं मार्क्सवाद के दार्शनिक पहलुओं की व्याख्या करना एवं उनके प्रभावों को हिंदी काव्य एवम् कथासाहित्य में लक्षित कराना।

4. राष्ट्रीय चेतना के विकास में पत्र पत्रिकाओं के योगदान को समझाना तथा मनोविश्लेषण के सिद्धान्तों का संबंध साहित्य से जोड़ना।

5. दलित और आदिवासी अभिव्यक्ति के मूल आदर्शों को स्पष्ट करना और उस चेतना के वाहक साहित्य की भी चर्चा कराना।

Course Outcomes:

परिणाम :-

1. इस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी उन्नीसवीं सदी के विचारमंथन एवं नवजागरण के प्रतिनिधि समाजसुधारको से परिचित होंगे और प्रेरणा पाएँगे।

2. गांधीवाद और मार्क्सवाद जैसे दर्शनों अथवा जीवन दृष्टियों के मर्म को समझने के बाद साहित्य में उनको ढलता देख पाएँगे।

3. मनोविश्लेषण को समझ लेंगे और उसका उपयोग साहित्य, साहित्यकार में और साहित्य के पात्रों को समझने में कर सकेंगे।

4. दलित और आदिवासी चेतनाओं से जुड़ कर अपनी चेतना का विस्तार कर पाएँगे।